अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. तन्मय गोस्वामी एवं डॉ. ए.के. सिंह

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए डॉ. के.आर.सी. रेड्डी एवं माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह

दिनांक : 14 जनवरी, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् (आयुर्वेद कॉलेज) गोरखपुर में त्रिदिवसीय "आयुर्वेद–योग–नाथपंथ' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पंचाकर्म सभागार में समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीलंका से विशिष्ट प्रतिनिधि सदस्य मेंबर सेंट्रल काउंसिल ऑफ श्रीलंका आयुर्वेद डॉ. टी. वीररत्ना ने कहा कि मैं इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी से नव विचार प्राप्त किया। आयुर्वेद एक पवित्र चिकित्सकीय पद्धति है जो आत्मा तक को शुद्ध और प्रसन्न करता है। आयुर्वेद और एलोपैथ को एक मिलकर कर कार्य करना चाहिए यह समय की मांग है। विशिष्ट अतिथि इंग्लैंड से विशिष्ट आयुर्वेद वैद्य डॉ. वी. एन. जोशी ने कहा कि नाथ संप्रदाय का संबंध भगवान रुद्र और गौ माता से है। नाथ संप्रदाय को प्रारंभ करने में आदि वैद्य शिव को ही जाता है। वो आयुर्वेद चिकित्सा के प्रवर्तक हैं। विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति संस्कृति विश्वविद्यालय मथुरा डॉ. तन्मय गोस्वामी ने कहा कि

चिकित्सा जगत में यह संगोष्ठी मील का पत्थर साबित होगा। हमारा एक लक्ष्य होना चाहिए। स्वस्थ को स्वस्थ रखना और रोगी को स्वस्थ रखना जो महर्षि चरक ने कहा है।

आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि आयुष के पूरे देश में एक सौ सात आयुर्वेदिक कॉलेज हैं। देश–विदेश विभिन्न आयुर्वेदिक कॉलेजों से आए हम सभी यदि पांच गांव गोद लेते हैं तो आयुर्वेद चिकित्सा घर–घर पहुंचेंगा। हमें हर्बल औषधियों के गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। प्रायः देखा जाता है कि सौंदर्य प्रसाधनों में प्रयोग किए जाने वाले सौंदर्य उत्पाद शरीर के लिए बहुत हानिकारक होते हैं लेकिन यदि सौन्दर्य प्रसाधनों में प्रयोग आने वाले पारद आदि धातुओं को यदि आयुर्वेदिक पद्धतियों से शोधन करके बनाते हैं तो यह शरीर के लिए हानिकारक नहीं होता है क्यों कि आयुर्वेदिक चिकित्सा को सफल बनाने के लिए यह बहुत ही अनिवार्य हो जाता है कि शोधित हर्बल उत्पादों का प्रयोग किया जाए। रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग हमारे ऐसे विभाग हैं। जो हमारे बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए दवा उद्योग कंपनियों के मांग के अनुसार हैं।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि हम आप सभी देश विदेश से विशिष्ट प्रतिनिधियों को जोड़ें रखेंगे यह विश्वविद्यालय के लिए बौद्धिक विकास के लिए बहुत ही लाभकारी होगा। वर्तमान में कंपनियों के मांग के देखते हुए हमें वैल्यू एडेड कोर्स को आरंभ करना चाहिए। यह मात्र विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं विद्यार्थियों के भविष्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होगा। माननीय कुलपति ने बीएचयू प्रोफेसर डॉ. के. आर. सी. रेड्डी और आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, प्राध्यापकों और बीएमएस विद्यार्थियों के प्रति संगोष्ठी को सफल बनाने के लिए साधुवाद प्रदान किया। सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति सम्मान गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. अश्विथी नारायण और मेडिकल कॉलेज की डॉ. प्रियंका को प्राप्त हुआ।

मंगलाचरण डॉ. सुमेश कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोहित ने किया। डॉ. आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य गिरिधर वेदांतम ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि माननीय प्रतिनीधियों सभी चिकित्सकों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में इजरायल प्रतिनिधि मिसेज लेविन, डॉ. लुई डॉ. तन्मय गोस्वामी, माननीय कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. कुशवाहा, डॉ. नवीन, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी और डॉ. प्रिया और भारत के अनेक राज्यों और विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।